छात्रों के लिए लगाई डा. अंबेडकर पुस्तक प्रदर्शनी, निबंध प्रतियोगिता आयोजित

बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलें

नारनौल। डा. अम्बेडकर की चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपा नेता। फोटो: हरिभूमि

सामाजिक समानता के लिए डा. अंबेडकर के प्रयासों का ही नतीजा है। भारत में पिछड़े, शोषित वर्ग को समानता का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

डा. भीमराव अंबेडकर की भूमिका भारत के निर्माण में बेहद अहम रही है। जीवन में सामाजिक स्तर पर व्याप्त चुनौतियों से जूझते हुए बाबा साहब ने भारत के निर्माण में जो योगदान दिया है वो अद्वितीय है फिर चाहे बात संविधान निर्माण की हो या फिर शिक्षा, राजनीति व सामाजिक क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए प्रयासों की। सामाजिक समानता के लिए डा. अंबेडकर के प्रयासों का ही नतीजा है। भारत में पिछड़े, शोषित वर्ग को समानता का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। डा. अंबेडकर की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। उनसे हमें प्रेरणा लेने की जरूरत है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के विवि में आयोजित अंबेडकर जयंती के कार्यक्रम में सुनाएं गए। फैकल्टी ऑफ ऑर्ट्स, ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेस की ओर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के भेजे गए ये विचार विद्यार्थियों व शिक्षकों के समक्ष शिक्षा विभाग की प्रो. नीरजा धनखड़ ने प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों व शिक्षकों की बीच समूह चर्चा व निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। भारत निर्माण में डा. भीम राव अंबेडकर की प्रासंगिकता विषय पर प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आरक्षण की आवश्यता और उसकी पुनः विवेचना पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर शिक्षकों के बीच हुई चर्चा में भी अंबेडकर के विषय में आचार्य राकेश मीणा ने कहा कि समाज में समानता के मोर्चे पर डा. अम्बेडकर की ओर से किए गए प्रयास बेहद उपयोगी है। इसी तरह इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य ईश्वर परिदा ने कहा कि इसमें कोई संशय नहीं है। बाबा साहब की भूमिका देश के निर्माण में और वंचित वर्ग के उत्थान में अहम। फैकल्टी ऑफ ऑर्ट्स, ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेस के डीन प्रो. सतीश ने कहा कि अंबेडकर की भूमिका राष्ट्र निर्माण में बेहद अहम रही है।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि जाट-पाली में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में समुह चर्चा में भाग लेते तथा नारनौल में डा. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते स्कूल स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

झुग्गी-पाठशाला में बांटी पाठ्य सामग्री

नारनौल। श्री बालाजी जनहित संगठन (प्रयास) की ओर से कोर्ट परिसर में चलाई जा रही झुग्गी-पाठशाला में गुरुवार डा. बाबा भीमराव अम्बेडकर की याद में बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर मनोज मेघनवास ने कहा कि देश में अभाव ग्रस्त एवं वंचित समाज को आगे बढ़ाने के लिए एक सुनहरी सूत्र बाबा साहब ने दिया था। यह एक मात्र सूत्र था ज्ञान अथवा शिक्षा। इस सूत्र का अर्थ है कि न्याय मुक्त संघर्ष एवं सफलता के लिए पहली शर्त शिक्षित होने की है। साधन सम्पन्न लोगों के पास शिक्षा प्राप्ति के अनेक साधन है। लेकिन वंचित समाज के बच्चों के साधनों के अभाव में ये रास्ते बंद हो जाते है और पूरी जिंदगी दुख एवं वेदना को ढोते हुए बिताते है। लेकिन ज्ञान पाना सबका अधिकार है और शिक्षा का माध्यम बनाकर मानव बड़ी-बड़ी मंजिल प्राप्त कर सकता है। इसे ही चरितार्थ करते हुए (प्रयास) श्री बालाजी संगठन महेंद्रगढ़ झुग्गी-झोपड़ियों में गरीब बच्चों के लिए पाठशालाएं चलाकर उनको शिक्षा से संबंधित आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करा ज्ञानदान का प्रयास कर रहा है। इस मौके पर सुनील, हंसराज, राजेश, बिजेश, रविंद्र, संदीप मांडोर, प्रमोद, कमल व जगवीर सिंह मौजूद थे।

बच्चों ने जयंती मनाई

नारनौल। केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा में गुरुवार डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई गई। प्रातः कालीन प्रार्थना सभा के बाद आयोजित कार्यक्रम में भारतीय संविधान निर्माता को याद किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य निर्मला बुडानिया ने डा. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए भारतीय संविधान निर्माण में डा. अम्बेडकर के योगदान की जानकारी दी। सीसीए प्रभारी हरिवंश मिश्र ने डा. अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय की छात्रा मनीषा शर्मा व कोमल ने डा. अम्बेडकर के जीवन चरित पर विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ शिक्षक कैलाश चन्द ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अंबेडकर के जीवन पर विचार रखे

नारनौल। भाजपा की ओर से गुरुवार स्प्रिंग फील्ड स्कूल परिसर में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई गई। इसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अनिल भारद्वाज एडवोकेट ने की। इस अवसर पर मंडल महामंत्री माडूराम सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने इस कार्यक्रम को देशभर में बूथ स्तर तक मनाने का निर्णय किया है। उन्होंने बाबा साहब के जीवन पर विस्तार डाला। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरला यादव, मंडल उपाध्यक्ष भीम पांडे, मंडल उपाध्यक्ष व पार्षद शशिबाला व पार्षद गीता देवी ने भी बाबा भीम राव अंबेडकर के जीवन परिचय पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने बताया कि डा. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के रत्नागिरी जिला के मऊ गांव में हुआ। इन्द्रा, बिमला, लक्ष्मी, सुनीता, पूजा, निशा, हरिओम, कुलदीप, नेत्रपाल सहित स्कूल विद्यार्थी मौजूद थे।

मंडी अटेली। भारत रत्न बाबा साहिब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गणमान्य।

बुद्धिमान व कर्मयोगी पुरुष थे : ठाकुर

मंडी अटेली। अनुसूचित एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के तत्वावधान में झंडा चौक अटेली मंडी में डा. भीमराव अम्बेडकर की 126वीं जयंती पर सद्भावना एवं प्रेरणा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता डा. शिवताज सिंह ने की जबकि प्रमुख समाजसेवी डा. अतरलाल एडवोकेट ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मंच संचालन शान ए भारत अवार्डी डा. छत्तर सिंह वर्मा ने किया। समारोह में डा. अम्बेडकर की शिक्षाओं पर विचार गोष्ठी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी तथा प्रतिभावान छात्रों को भी सम्मानित किया गया। उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए ठाकुर अतरलाल ने कहा कि संत व महापुरूष किसी भी धर्म, जाति और सम्प्रदाय से ऊपर होते हैं। उनका ज्ञान, दर्शन ही समाज व देश को प्रगति के पथ पर ले जाता है इसलिए हमें उनके नक्श-ए-कदमों पर चलने हुए उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करना चाहिए।

भारत निर्माण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका अहम : कुहाड़

विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच सामूहिक चर्चा, निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरस्कृत

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की भूमिका भारत के निर्माण में बेहद अहम रही है। जीवन में सामाजिक स्तर पर व्याप्त चुनौतियों से जूझते हुए बाबा साहेब ने भारत के निर्माण में जो योगदान दिया है वो अद्वितीय है। यह बात हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर सी कुहाड़ ने अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य आयोजित समारोह में कही।

उन्होंने कहा कि अंबेडकर के प्रयासों का ही नतीजा है कि भारत में पिछड़े, शोषित वर्ग को समानता का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। डॉ. अंबेडकर की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है और उनसे हमें प्रेरणा लेने की जरूरत है। विश्वविद्यालय में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में फैकल्टी ऑफ ऑटर्स, ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेस की ओर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर आर सी कुहाड़ के भेजे गए ये विचार विद्यार्थियों व शिक्षकों के समक्ष शिक्षा विभाग की प्रोफेसर नीरजा धनखड़ ने प्रस्तुत किए। इस अवसर में विद्यार्थियों व शिक्षकों की बीच समूह चर्चा व निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय में अंबेडर जयंती के उपलक्ष्य में सामूहिक चर्चा में भाग लेते विद्यार्थी।

'भारत निर्माण में डॉ. भीम राव अंबेडकर की प्रासंगिकता' विषय पर प्रोफेसर मूलचंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आरक्षण की आवश्यकता और उसकी पुनः विवेचना पर अपने विचार व्यक्त किए। विधि विभाग के सहायक आचार्य राकेश मीणा ने कहा कि समाज में समानता के मोर्चे पर डॉक्टर अंबेडकर की ओर से किए गए प्रयास बेहद उपयोगी है।

फैकल्टी ऑफ ऑर्टस, ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेस के डीन प्रोफेसर सतीश कुमार ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की भूमिका राष्ट्र के निर्माण में बेहद अहम रही है और यही वजह है कि उन्हें सच्चे राष्ट्रवादी के तौर पर पहचाना जाता है। कार्यक्रम में निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। विजेताओं को डीन छात्र कल्याण प्रोफेसर उमेद सिंह व प्रोफेसर अमर सिंह ने प्रमाणपत्र व नकद पुरस्कार प्रदान किए। प्रथम पुरस्कार इतिहास एवं पुरात्तव विभाग के छात्र नीरज को मिला तो द्वितीय पुरस्कार राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र आशुतोष कुमार को प्रदान किया गया। तृतीय पुरस्कार अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग की छात्रा वंदना नैन को दिया गया। केंद्रीय पुस्कालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर पर आधारित किताबों की प्रदर्शनी लगाई गई।

स्वच्छ और स्वस्थ विकास के बारे में जानकारी देतीं प्रोफेसर जीके कोचर।

प्रशिक्षण सत्र में 22 अधिकारी और 20 छात्र हुए शामिल

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के न्यूट्रीशियन बॉयोलॉजी विभाग द्वारा वीरवार को विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। बेटी बचाओ- बेटी पढाओ, प्रारंभिक बाल पोषण स्वास्थ्य, लाभकारी खाद्य पदार्थों के संबंध में पर्यवेक्षकों एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारियों (सीडीपीओ) के लिए विश्वविद्यालय में इस कार्यक्रम में 22 अधिकारियों सहित 20 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। महेंद्रगढ़ जिला प्रशासन की ओर से शुरू किए गए पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण सत्र में जिले में कुपोषण की समस्या से बच्चों को हो रहे नुकसान और उससे बचाव के उपायों पर विचार किया गया। इस पायलट प्रोजेक्ट का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ व स्वस्थ विकास प्रदान करना है। न्यूट्रीशन बायोलॉजी विभाग की प्रोफेसर जीके कोचर कहती है कि इस प्रोजेक्ट के माध्यम से बच्चों और विशेष रूप लड़कियों के पोषण को लेकर ध्यान दिया जा रहा है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. तेजपाल, विभाग की डॉ. सविता और डॉ. अनीता ने विभिन्न सत्रों में हिस्सा लिया।